(च) क्या सकलरोगालरर इस इन को प्राथमिकता के आधार पर बदलने का विचार रखती है, यदि हां, तो इस सम्बन्ध में ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री महावीर प्रसाद) : (क) सर्वेक्षण अभी पूरा नहीं हुआ है।

(ख) से (ङ) इस स्तर पर प्रश्न नहीं उठता।

Advertisement of cigarette in Swagat Magazine without statutory warning

2348. SHRl PRAMOD MAHAJAN; SHRI JOHN F. FERNANDES:

Wil! the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased co state-.

(a) whether Government are aware that Swagat Magazine of Indian Airlines contains advertisement of foreign brand cigarettes without any statutory warning as required for local brand cigarettes;

(b) whether it is also a fact that such an advertisement of 555 cigarettes appeared on back page of Swagat Magazine issue of February 89, without the statutory warning;

(c) what are the reasons for this discrepancy, and

(d) whether Government propose to take action against the erring officials?

THE MINISTER OF STATE OF TH' MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRl SHIVRAJ PATIL):

(a) and (b) Yes, Sir.

(c) and (d) The statutory warning is carried on the cigarette packets manufactured in India only. The question of whether there is any violation of law advertising foreign made brands of cigarettes in the Swagat without carrying the statutory warning is being examined, in consultation with appropriate authorities

भोजन यानों के प्रबन्ध का ठेका अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को दिया जाना

2349. श्री ईश दत्त यादव:
चौधरी राम सेवक:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पूर्वोत्तर रेलवे के अधीन 115/116 और 933/934 एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में भोजन यान चलाने का ठेका दिये जाने में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को नजरन्दाज किया गया है और यह ठेका एक पाकेट को-आपरेटिव सोसाइटी को आवंटित किया गया है जो कि एक स्थानीय छोटी सी, अनुभवहीन नई और आर्थिक दृष्टि से कमजोर सोसाइटी है, यदि हां, तो क्या यह रेलवे बोर्ड का खुला उल्लंघन है;

(ख) उक्त चार भोजन यानों को चलाने का ठेका चार अलग-अलग आवेदकों को न दिए जाने के क्या कारण है, जैसा कि 933/934 और 509/510 एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के मामले में किया गया है;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस समय पूर्वोत्तर रेलवे के पास कोई भी भोजन यान डिब्बा उपलब्ध नहीं है और इसके उपलब्ध होने में अभी 6 महीने से अधिक का समय लग जाने की संभावना है;

(घ) क्या उक्त आवंटन से पूर्व सक्षम प्राधिकारियों द्वारा उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था; और

(ङ) क्या सरकार इस अवैध आवंटन की जांच रेलवे बोर्ड के आसूचना (इंटेलिजेन्स) विभाग द्वारा करवाने का विचार रखती है?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री महावीर प्रसाद) (क) और (ख) 115–116 गोरखपुर-बम्बई वी.टी. एक्स-प्रेस तथा 933/934 लखनऊ बम्बई वी. टी. के रसोईयान के ठेके पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने के बाद दिये गये हैं। 115/116 के लिए ठेका यथोचित सत्यापन करने के पश्चात् वास्तविक कामगारों की सहकारी समिति को दिया गया है सहकारी समिति के तीन सदस्य अनुसूचित जाति से सम्बन्धित हैं। कुछ मामलों में रसोई-यान-वार तथा अन्य मामलों में गाड़ीवार ठेके आबंटित करने के लिए रेलों पर कोई प्रतिबन्ध नहीं है।

(ग) जी हां।

(घ) जी नहीं।

(ङ) जी नहीं।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में नदियों पर पुलों का निर्माण

2350. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :
श्री राम जेठमलानी :

क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के पूर्वोत्तर भाग में कुछ नदियों पर पुल बनाये जाने की कुछ परियोजनाएं सरकार के विचाराधीन हैं;

(ख) यदि हां, तो उनके नाम क्या हैं और निर्माण कार्य कब तक आरम्भ हो जाने और पूरा कर लिये जाने की संभावना है;

(ग) इन परियोजनाओं पर कुल कितना व्यय होने की संभावना है; और

(घ) इस प्रयोजन के लिए सरकार किस प्रकार धन जुटाने का विचार रखती है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) राष्ट्रीय राजमार्गों पर पुलों के नाम और स्थान अनुपत्र में दिए गए हैं। [देखिए परिशिष्ट 149, अनुपत्र संख्या–132 और 133] इन पुलों का बनना शुरू होने और समापन की संभावित तिथि तथा संभावित खर्चे के बारे में अभी बता पाना संभव नहीं है।

(घ) वार्षिक योजना परिव्ययों से।

Discussion on Vedic Mathematics by Rashtriya Ved Vidya Pratishthan

2351. SHRI PRAMOD MAHAJAN;
SHRI SHANKER SINH VAGHELA:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state;

(a) whether a Round Table Discussion on Vedic Mathematics was held recently in Delhi under the auspices of Rashtriya Ved Vidya Pratishthan;

(b) what have been the findings in the said discussion about the use of 'Elementary Vedic Mathematics Methods' in the Arithmatical exercises in lower classes, desirability of research projects on the applicability of Vedic Mathematics in higher mathematics and development of 'pattern recognizing and the resulting Intutive Thinking' in children while learn, ing Vedic Mathematics methods;

(c) what were the recommendations of the Pratishthan in this regard;

(d) the expected time-schedule for taking action therein; and

(e) what is the response of N.C.E.R.T. thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HU. MAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI L. P. SHAHI); (a) Yes, Sir.